# WELCOME TO

# MANMESH INDUSTRIES PVT. LTD.

## INFORMATION

## ANTI DIABA CAPSULES

# डायबिटीज क्या है? WHAT IS DIABETES?

जब शरीर के पैन्क्रियाज में इन्सुलिन की कमी हो जाती है, मतलब कम मात्रा में इन्सुलिन पहुंचता है, तो खून में ग्लूकोज की मात्रा भी ज्यादा हो जाती है। इसी स्थिति को डायबिटीज कहते हैं। इन्सुलिन की बात करें, तो यह एक तरह का हार्मोन होता है। जो शरीर के भीतर पाचन ग्रंथि से बनता है। इसका काम भोजन को ऊर्जा में बदलना होता है। इससे ब्लड शुगर का लेवल नियंत्रित रहता है।ANTI DIABA CAPSULE से मधूमेह को नियंत्रण में रखा जाता है।

WHEN THERE IS A DEFICIENCY OF INSULIN IN THE BODY'S PANCREAS, WHICH MEANS LESS AMOUNT OF INSULIN REACHES, THEN THE AMOUNT OF GLUCOSE IN THE BLOOD ALSO INCREASES. THIS CONDITION IS CALLED DIABETES. TALKING ABOUT INSULIN, IT IS A KIND OF HORMONE. WHICH IS MADE FROM THE DIGESTIVE GLAND INSIDE THE BODY. ITS JOB IS TO CONVERT FOOD INTO ENERGY. THIS KEEPS THE BLOOD SUGAR LEVEL UNDER CONTROL. DIABETES IS KEPT UNDER CONTROL WITH ANTI DIABA CAPSULE.

मधुमेह की बीमारी को डायबिटीज और शुगर भी कहा जाता है। ये बीमारी अनुवाशिंक भी होती है और खराब जीवनशैली के कारण भी होती है। मधुमेह के मरीजों को अपने खाने-पीने का विशेष ध्यान रखना चाहिए। क्योंकि मधुमेह के मरीज का ब्लड शुगर लेवल का ना तो सामान्य से अधिक होना ठीक रहता है और ना ही सामान्य से कम होना ठीक रहता है।

THE DISEASE OF DIABETES IS ALSO CALLED DIABETES AND SUGAR. THIS DISEASE IS ALSO HEREDITARY AND ALSO DUE TO BAD LIFESTYLE. DIABETIC PATIENTS SHOULD TAKE SPECIAL CARE OF THEIR FOOD AND DRINK. BECAUSE THE BLOOD SUGAR LEVEL OF A DIABETIC PATIENT IS NEITHER GOOD TO BE HIGHER THAN NORMAL NOR IS IT GOOD TO BE LESS THAN NORMAL.

इसकी जांच कर लेवल का पता लगाते रहना चाहिए । अगर मधुमेह का लेवल बहुत ज्यादा बढ़ जाए या फिर बहुत ज्यादा कम हो जाए, तो दोनों ही स्थिति में मरीज की सेहत पर खतरा मंडराता है। ये दोनों ही स्थितियां जानलेवा मानी जाती हैं।

YOU SHOULD KEEP CHECKING IT TO FIND OUT THE LEVEL. IF THE LEVEL OF DIABETES INCREASES TOO MUCH OR DECREASES TOO MUCH, THEN IN BOTH THE CASES THE PATIENT'S HEALTH IS AT RISK. BOTH THESE CONDITIONS ARE CONSIDERED FATAL.

**डायबिटीज की रामबाण दवा:-** जब हमारे शरीर में पैंक्रियाज (अग्नाश्य) इंसुलिन का उत्पादन करना बंद कम कर देता है या बंद कर देता है तब हमारे ब्लड में ग्लूकोज का स्तर बढ़ने लगता है। अगर इस स्तर को कंट्रोल ना किया जाए तो हम शुगर के रोगी बन जाते हैं।

**DIABETES PANACEA:-** WHEN THE PANCREAS IN OUR BODY REDUCES OR STOPS PRODUCING INSULIN, THEN THE LEVEL OF GLUCOSE IN OUR BLOOD STARTS INCREASING. IF THIS LEVEL IS NOT CONTROLLED THEN WE BECOME A PATIENT OF SUGAR.

यदि आपको एक बार मधुमेह का पता चला है, तो अपना सबसे अच्छा ख्याल रखना शुरू करें। याद रखें कि स्वस्थ जीवन शैली, उचित उपचार और अच्छे आहार योजना का पालन करके मधुमेह का प्रबंधन संभव है। मधुमेह को उचित तरीके से प्रबंधित करने से आपको मधुमेह को उलटने और मधुमेह की जटिलताओं को दूर करने में मदद मिल सकती है। इसलिए खराब जीवनशैली से बचें, स्वस्थ भोजन करना शुरू करें, नियमित रूप से व्यायाम करें और समय पर दवाएं लें। उन मधुमेह कारकों पर ध्यान दें जो आपके नियंत्रण में हैं जैसे मोटापा, तनाव, आहार और जीवन शैली।

डायबिटीज का अगर सही इलाज नहीं किआ जाये या इसे उपचार क बिना छोड़ दिया जाये तो आगे चल कर बहुत गंभीर समस्या हो सकती है| इसलिए ज़रुरी है की सही समय पर सही इलाज किआ जायें| डायबिटीज मे ज़रुरी है की सही ब्लड ग्लूकोज़ की मात्रा बनाये रखे नहीं तो काफी समस्यायें जनम ले सकती है|

IF DIABETES IS NOT TREATED PROPERLY OR IT IS LEFT WITHOUT TREATMENT, IT CAN BECOME A VERY SERIOUS PROBLEM IN THE LONG RUN. THAT'S WHY IT IS IMPORTANT THAT THE RIGHT TREATMENT IS DONE AT THE RIGHT TIME. IN DIABETES, IT IS NECESSARY TO MAINTAIN THE RIGHT AMOUNT OF BLOOD GLUCOSE, OTHERWISE MANY PROBLEMS CAN ARISE.

डायबिटीज आज सामान्य बीमारियों में शामिल हो गई हैं. दरअसल, हमारे शरीर में इंसुलिन के न होने या उसके कम हो जाने के कारण डायबिटीज का खतरा ज्यादा बढ़ जाता है. इंसुलिन एक तरह का हार्मोन है जो शरीर में ग्लूकोज को अवशोषित करने में मदद करता है.

DIABETES HAS BECOME ONE OF THE COMMON DISEASES TODAY. ACTUALLY, THE RISK OF DIABETES INCREASES DUE TO THE ABSENCE OR REDUCTION OF INSULIN IN OUR BODY. INSULIN IS A HORMONE THAT HELPS THE BODY ABSORB GLUCOSE.

## दो तरह की होती है डायबिटीज

डायबिटीज दो तरह की होती है। टाइप-1 और टाइप-2, इनमें टाइप-1 डायबिटीज वह है जो हमें अनुवांशिक तौर पर होती है। यानी जब किसी के परिवार में मम्मी-पापा, दादी-दादा में से किसी को शुगर की बीमारी रही हो तो ऐसे व्यक्ति में इस बीमारी की आशंका कई गुना बढ़ जाती है।

## There are two types of diabetes

There are two types of diabetes. Type-1 and Type-2, Type-1 diabetes is the one that we have genetically. That is, when someone's mother-father, grandmother-grandfather has had sugar disease in someone's family, then the possibility of this disease in such a person increases many times.

यदि किसी व्यक्ति को वंशानुगत कारणों से डायबिटीज होती है तो इसे टाइप-1 डायबिटीज कहा जाता है। जबकि कुछ लोगों में गलत लाइफस्टाइल और खान-पान के कारण यह बीमारी घर कर जाती है। इस स्थिति को टाइप-2 डायबिटीज कहते हैं।

If a person has diabetes due to hereditary reasons then it is called type-1 diabetes. While in some people, due to wrong lifestyle and food habits, this disease goes home. This condition is called type-2 diabetes.

**करेला:-** अपने गुणों के लिए पहले प्रसिद्धि कम पाता रहा है बल्कि अपने कड़ुवे स्वाद के कारण काफी जाना जाता रहा है लेकिन जब तमाम लाइफस्टाइल बीमारियों ने खासकर मधुमेह, रक्तचाप ने बड़ी तादाद में लोगों को दबोचा है तब से करेले को उसके कड़ुवे स्वाद की बजाय मीठे गुणों की बदौलत उपयोग के अलावा सब्जी के रूप में इसका अच्छा खासा उपयोग होता है

**गुड़मार:-** इसमें कई औषधीय गुण पाए जाते हैं, जो इंस्टेंट शुगर कंट्रोल कम करने में सहायक होते हैं। गुड़मार के पत्ते, तने और जड़ का आयुर्वेद, यूनानी और सिद्ध पद्धति में दवा की तरह इस्तेमाल किया जाता है।

**जामुन:-** का सेवन करने से आपका दिल हेल्दी और स्ट्रॉन्ग बनता है. जामुन में हाइपोग्लाइसिमिक गुण पाए जाते हैं। इसका नियमित सेवन ब्लड शुगर को 30% तक कम करने में फायदेमंद साबित होता है। जामुन के बीज में अल्केलॉइड्स होते हैं जो ब्लड शुगर घटाने में मददगार साबित होते हैं। जामुन की गुठली के पाउडर का सेवन डायबिटीज की समस्या से आराम दिलाने और ब्लड शुगर को कम करने में मददगार होता है।

**आंवले;-** में क्रोमियम तत्व पाए जाते हैं, यह इंसुलिन हार्मोन को मजबूत कर खून में आपके शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मदद करता है. इसके अंदर मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करता है इससे भी आपका डायबिटीज नियंत्रण में रहता है. आंवला वैसे तो कई चीजों में कारगर रहता है.

**हल्दी:-** अगर डायबिटीज के मरीज रोजाना दूध में हल्दी मिलाकर नाश्ते के वक्त पीते हैं तो आपका ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रहेगा. ब्लड शुगर बढ़ने का कारण हाई कोलेस्ट्रॉल (High cholesterol) भी होता है. ऐसे में हल्दी के एंटीऑक्सीडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण इसे कंट्रोल करने में मदद करेंगे.

**नीम;-** स्टाइलक्रेज़ के मुताबिक नीम की पत्तियां कड़वी होती हैं. जो डायबिटीज की समस्या को कंट्रोल करने में मदद करती हैं. एक्सपर्ट्स के मुताबिक इसका हाइपोग्लाइसेमिक ब्लड शुगर को कंट्रोल करता है. नीम डायबिटीज की समस्या या ब्लड शुगर के लेवल को कंट्रोल करने में सबसे ज्यादा फायदेमंद हो सकता है.

**गिलोय:-** डायबिटीज में गिलोय एक चमत्कारी दवा की तरह काम करता है, यह एक नेचुरल एंटी-डायबिटिक मेडिसन है. यह मनुष्य को रोगों से लड़ने की क्षमता को विकसित करता हैं. नीम के पेड़ पर चढ़ी हुए गिलोय डायबिटीज के लिए सबसे उत्तम मानी जाती है. डायबिटीज के मरीजों को गिलोय के रस का नियमित सेवन करने से राहत मिलती हैं.

**आम की गुठली:-** के पाउडर का सेवन खराब कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने में मदद करता है और ब्लड शुगर लेवल को भी कंट्रोल करता है. आम की गुठली हार्ट से जुड़ी बीमारियों के रिस्क को कम करने में भी मदद करती है. ये आपके ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखती है. इसका पाउडर खाने से हेल्थ को कई फायदे होते हैं.

**मेथी:-** बढ़े हुए शुगर लेवल को कम करने में मदद करता है. ऐसे में अगर डायबिटीज पेशंट रोज मेथी वाला पानी पिएं तो टाइप-2 डायबिटीज को कंट्रोल में रखा जा सकता है. मेथी में गेलेक्टोमैनन तत्व भी पाया जाता है जो ब्लड में शुगर के अवशोषण को कम करता है. मेथी दाना वजन कम करने में भी काफी फायदेमंद होता है

GiVE THANKS
MANMESH
INDUSTRIES PVT. LTD.
WWW.MANMESHIND.COM
MANMESH47@GMAIL.COM